No. of Printed Pages : 5

पी.जी.डी.टी. - 2

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2012 03391

पी.जी.डी.टी. - 2 : अनुवाद का भाषिक और सामाजिक पक्ष

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

भाग - I

नोट : निम्नलिखित में से ***किन्हीं तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के ***अंक समान हैं।***

1. भाषा के सामाजिक सन्दर्भों का सोदाहरण विवेचन कीजिए। **20**

2. देवनागरी लिपि में संशोधन के प्रयासों के विविध चरणों का विश्लेषण कीजिए। **20**

3. प्रशासन में अनुवाद संबंधी रोज़गार के प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डालिए। **20**

4. भाषा विकास में अनुवाद के योगदान के विविध रूपों का विस्तृत विवेचन कीजिए। **20**

5. तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन में अनुवाद के महत्व को स्पष्ट कीजिए। **20**

6. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** पर टिप्पणी लिखिए **10+10=20**
(250-300 शब्दों में):

(क) भारतीय साहित्य के अध्ययन में अनुवाद की भूमिका

(ख) राष्ट्रीय-सामाजिक विकास एवं अनुवाद का अंतर्संबंध

(ग) शब्द-रचना और उपसर्ग एवं प्रत्यय

(घ) राजभाषा के प्रयोग के क्षेत्र

भाग - II

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

7. हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **20**

The geographical feature which dominated India most is the Himalayas. There are no mountain ranges anywhere in the world which have contributed so much to shape the life of a country as the Himalayas have in respect of India. It is not only the political life of the people of Hindustan, but the religion, mythology, art and literature of the Hindus that bear the imprint of the great mountain barrier. To the Hindus, the Himalayas have been a perpetual source of wonder and veneration . To the people of the South, a thousand and five hundred miles away, to the men of the sea coast, to the dwellers of the desert land of Rajputana, no less than to the inhabitants of the Gangetic Valley, the Himalayas have been the symbol of India. The majesty of the snow-clad peaks, visible from afar, the inaccessibility of even the lesser ranges, the mysteries of the gigantic glaciers and the magnificence of the great rivers that emerge from its gorges have combined to give the Himalayas a majesty which no other mountain range anywhere can claim.

8. अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : **10**

भाषा शिक्षण किसी भी समाज की शिक्षा व्यवस्था का सर्वाधिक महत्वपूर्ण अंग होता है। हमारी शिक्षा की शुरूआत ही भाषा और गणित के ज्ञान के साथ होती है क्योंकि ये दोनों ही विषय जीवन

से व्यावहारिक रूप से जुड़े होते हैं। सबसे पहले बच्चे को वर्णमाला तथा गिनती सिखाई जाती है फिर उस वर्णमाला और गिनती का उपयोग क्रमशः शब्द, वाक्य आदि (भाषा व्यवहार) और हिसाब के रूप में कराया जाता है। इन दोनों की प्राथमिक जानकारी होने पर उसे अन्य विषय पढ़ाए जाते हैं। ध्यान देने की बात है कि जहाँ अन्य विषय उसके ज्ञान का विकास करते हैं वहीं भाषा और गणित उसके न केवल ज्ञान को पाने की प्रक्रिया बनते हैं बल्कि उसके रोजमर्रा के जीवन के लिए भी अनिवार्य होते हैं। इन दोनों में भी भाषा की भूमिका प्राथमिक और अपरिहार्य होती है। भाषा लिखना-पढ़ना जानने वाला व्यक्ति साक्षर कहलाता है और जिसे लिखना-पढ़ना नहीं आता वह निरक्षर कहलाता है। वर्तमान समय में तेजी से चलाया जा रहा साक्षरता अभियान भी वास्तव में भाषा शिक्षण अभियान ही है। जिस व्यक्ति को हस्ताक्षर करना आ जाता है उसे साक्षर मान लिया जाता है। आपने अक्सर पढ़ा या देखा-सुना होगा "निरक्षरता व्यक्ति और समाज के लिए अभिशाप" है। इससे भाषा शिक्षण का महत्व आपके समक्ष स्वतः सिद्ध होना चाहिए।

9. निम्नलिखित प्रश्न-पत्र का हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 10

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

Term-End Examination

June, 2007

EPA-02/BPAE-102 : INDIAN ADMINISTRATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

(Weightage 70%)

SECTION - I

Answer ***any two*** of the following questions in about ***500*** words each. Each question carries 25 marks.

1. Discuss the structure of the Moghul administrative system.

2. Analyse the role of various constitutional commissions in India.

3. Discuss the role of the Governor in State administration.

4. Explain the nature of Divisional administration. Examine the role of Divisional Commisssioner.

5. Discuss the impact of religion and caste on administration.

6. What are pressure Groups(दबाव समूह) ? Analyse the characteristics of Pressure Groups in India.